टिप्पणी

26

शिक्षा और कार्य

आशिमा डाक्टर बनना चाहती थी। दसवीं कक्षा के बाद, किसी तरह, उसने वाणिज्य धारा के लिए ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश लिया। वह एक प्रतिभाशाली छात्रा थी, उसने बारहवीं कक्षा 85 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। जब उसने मेडिकल प्रवेश के लिए प्रयास किया और फार्म ले लिया किन्तु वह आश्चर्यचकित रह गई जब उसे यह पता चला कि अपने उच्च प्रतिशत अंकों के बाद भी वह मेडिकल प्रवेश की परीक्षा में भी बैठने योग्य नहीं है। उसे बताया गया कि भौतिक, रसायन और जीव विज्ञान मेडिकल धारा के लिए अनिवार्यतः होना चाहिये।

केवल आशिमा ही ऐसी छात्रा नहीं है जिसने 11वीं कक्षा के लिए विषयों के चयन में गलती का अनुभव किया।

इस उदाहरण से यह बात स्पष्ट होती है कि स्कूल के विषयों और बाद में अपनाये जानेवाले व्यवसाय में परस्पर संबंध है। विषयों का निर्णय करते समय क्या और कैसे अपने दिमाग में रखना चाहिए इस पाठ से शिक्षा और कार्य या व्यवसाय जिसे बाद में अपनाना है, के संबंध का विश्लेशण करने में सहायता मिलेगी।

आपके सामने कभी–कभी ऐसे कथन आते होंगे "नौकरी पाने के लिए शिक्षा आवश्यक है" या "मैं इस व्यवसाय विशेष में कार्य करना चाहता हूँ, किंतु मेरे पास इसके लिए वांछित योग्यता नहीं हैं।" क्या कभी आपने सोचा है कि हम शिक्षा और कार्य किस तरह संबंधित है? इस पाठ में शिक्षा और कार्य के संबंध के साथ ही साथ कार्य जगत की विशिष्टताओं के बारे में भी सीखने जा रहे हैं।

टिप्पणी

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आपः

- शिक्षा और कार्य के संबंध को स्पष्ट कर सकेंगे,
- शैक्षिक चयन की प्रक्रिया का वर्णन कर सकेंगे और
- नौकरी की पष्ठभूमि और नौकरी के अवसरों के संदर्भ में कार्यजगत के स्वरूप का वर्णन कर सकेंगे।

26.1 शिक्षा और कार्य

अक्सर नौकरी के लिए रिक्त स्थानों के विज्ञापन देखने को मिलते हैं जिनमें अभ्यार्थियों की अनिवार्य और अपेक्षित योग्यताओं का उल्लेख होता है। एक व्यक्ति जो नौकरी करना चाहता है उससे ऐसी योग्यताओं की अपेक्षा क्यों की जाती है?

लोग केवल नौकरी पाने के लिए ही शिक्षा ग्रहण नहीं करते अपितु अपने आप को समद्ध करने के लिए भी शिक्षा ग्रहण करते हैं। किसी भी क्षेत्र की शिक्षा में मूलतः कुछ कौशलों और क्षमताओं का विकास आता है। उदाहरण के लिए यदि आप कामर्स चुनते हैं तो आपको एकाउंट्स के कौशल विकसित करने हैं।

जब किसी नौकरी के लिए योग्यतायें विज्ञापित की जाती हैं, वे विशेषीकत होती हैं जिससे कि व्यक्ति अपने कौशलों का उपयोग कर सके जिन्हें उसने लंबे समय तक प्राप्त किया है। प्राप्त कौशलों और किये जाने वाले कार्य आपस में संबंधित होते हैं। उदाहरण के लिए जो व्यक्ति मेडिकल प्रशिक्षण कर चुका है वह मेडिकल प्रैक्टिश्नर बनता है। कौशलों का सीखना औपचारिक या अनौपचारिक दोनों प्रकार से हो सकता है। यदि आप किसी व्यावसायिक कोर्स जैसे 'मुर्गी पालन' के लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) जाते हैं, आप अपना पोल्टरी फार्म खोल सकते हैं या नौकरी पा सकते हैं।

इस प्रकार आप देख सकते हैं कि एक व्यावसायिक कोर्स का चयन आपको कार्य या नौकरी प्राप्त करने में सहायक हो सकता है। इसी प्रकार शिक्षण अनौपचारिक व्यवस्था में भी हो सकता है। यदि आपके पिता एक फार्म चलाते हैं और फार्मिंग करते हैं और आप उनकी मदद करते हैं, तो आप बिना औपचारिक कोर्स किये फार्मिंग के तक्नीकी पक्षों के बारे मे जान सकते हैं। इस व्यवस्था में भी शिक्षा हो जाती है। फिर भी आप नवीनतम तक्नीकियों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए आगे के कोर्सेज के अध्ययन के लिए जा सकते हैं। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा और कार्य का आपस में घनिष्ठ संबंध है।

टिप्पणी

26.2 शैक्षिक चयन की प्रक्रिया

शिक्षा और कार्य आपस में संबंधित हैं यह जान लेने के बाद आप शैक्षिक चयन प्रक्रिया जानना चाहेंगे। आइये हम थोड़ा विस्तार से देखें।

जब आप बाजार में जाते हैं, वहाँ बहुत प्रकार की चीजें उपलब्ध हैं किंतु यह संभव नहीं हो पाता कि आप सभी चीजें ले लें। जब भी आप सब्जी बाजार जाते हैं आप केवल सब्जियाँ चुनते हैं जिन्हें आप पसंद करते हैं या जो आप के खर्च की सामर्थ्य में होती हैं। ऐसा करना एक प्रक्रिया है। आप अपनी रूचि की सब्जी पाते हैं और फिर उसकी कीमत के बारे में सोचते हैं। इसी प्रकार शिक्षा के चयन की भी एक प्रक्रिया है। ऐसा नहीं होता कि किसी भी स्कूल में जाते हैं और प्रवेश ले लेते हैं या बिना सोचे समझे विषय चुन लेते हैं। वास्तव में शैक्षिक व्यवस्था में प्रवेश लेते समय ही चयन करने की प्रक्रिया आरंभ हो जाती है। मूलतः व्यक्ति शिक्षा का सामान्य व्यवस्था से चयन प्रारंभ करके विशिष्ट प्रशिक्षण की ओर जाता है। आइये इन दोनों पक्षों के बारे में थोड़ा विस्तार से अध्ययन करें।

26.3 सामान्य शिक्षा

सामान्य शिक्षा वह शिक्षा है जिसका उद्देश्य छात्रों को पढ़ने लिखने, भौतिक सामाजिक और सांस्कतिक पर्यावरण, वांछित अभिवत्तियों, मूल्यों और अभिप्रेरण के बारे में प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना है। प्राथमिक से डिग्री या उसके ऊपर के स्तर तक शिक्षा की मुख्य धारा को अक्सर सामान्य समझा जाता है (व्यवसाय, तकनीकी को छोड़कर)। उदाहरण के लिए किसी भी पेशे में प्रवेश, विभिन्न कोर्सेज में प्रवेश या विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम योग्यता माध्यमिक/हाई स्कूल स्तर की शिक्षा आवश्यक है।

26.4 विशिष्ट प्रशिक्षण

अपने चुने हुए पेशे में प्रवेश के लिए छात्रों को विशिष्ट प्रशिक्षण करना होता है। आप ऐसी संस्थाओं को भी जानना चाहेंगे जो विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ को नीचे सूचीबद्ध किया जा रहा है जिससे आप जान सकें कि हमारे देश में कितने प्रकार की संस्थायें हैं:

1. **व्यावसायिक संस्थायें:** ये संस्थायें ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर तक विशिष्टीकत क्षेत्रों के लिए जैसे मेडिसिन, लॉ, टेक्नोलॉजी आदि की उच्च शिक्षा प्रदान करती हैं। इसके ग्रेजुएट डॉक्टर, वकील, इंजीनियर इत्यादि बनते हैं।
2. **पॉलिटेक्नीकः** ये संस्थायें ऐसे कोर्सेज देती हैं जो छात्रों को तक्नीशियन या इस जैसे ही व्यवसायों के लिए जैसे ड्राफ्ट्समैन, जूनियर इंजीनियर, मैडिकल लैबोरेट्री तक्नीशियन आदि के लिए तैयार करती हैं।

टिप्पणी

3. **दूरस्थ शिक्षा संस्थानः** इन्हें मुक्त शिक्षण संस्थान भी कहा जाता है। ये संस्थायें छात्रों को दूर विधि से शिक्षा प्रदान करती हैं जब कि वे अपने घरों पर ही रहते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) इस प्रकार की संस्था है जो दूर विधि से शिक्षा प्रदान करती है। वर्तमान में आप इस सामग्री का अध्ययन दूर विधि से कर रहे हैं, जो आपको राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान से (एनआईओएस) प्रदान की जा रही है।

   इन संस्थानों में से कुछ ऑनलाइन कोर्सेज प्रदान करते हैं इनमें आप अपने घर में या साइबर कैफे में कंप्यूटर के सामने बैठकर कोर्स कर सकते हैं। आजकल यह तरीका बहुत प्रचलित तथा आसान हो गया है।

4. **वाणिज्य संबंधी संस्थानः** इन संस्थानों द्वारा टाइपिंग, शार्टहैंड, बुक कीपिंग आदि कोर्सेज दिये जाते हैं।

5. **हस्तकला प्रशिक्षण स्कूलः** इन स्कूलों में सामान्य हस्तकलाओं जैसे टेलरिंग, वीविंग, एम्ब्रोइडरी आदि की शिक्षा दी जाती है।

6. **विशिष्टीकत संस्थायेंः** कुछ संस्थायें रोजगार व्यवस्था से निकटता से जुड़ी होती हैं। फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशंस फार मरचेंट नेवी, इंस्टीट्यूट्स ऑफ होटेल मैनेजमेंट और फैशन टेक्नॉलॉजी आदि इस प्रकार की जानी मानी संस्थाएं हैं।

पाठगत प्रश्न 26.1

(क) बताइये नीचे दिये गये कथन सत्य हैं या असत्यः

1. शिक्षा और कार्य में कोई संबंध नहीं है। (सत्य/असत्य)

2. लोग अपने को केवल नौकरी पाने के लिए शिक्षित करते हैं। (सत्य/असत्य)

3. अपने को किसी क्षेत्र में शिक्षित करना प्राथमिक रूप से कौशल विकसित करना है। (सत्य/असत्य)

4. सीखे गये कौशल और कार्य परस्पर संबंधित नहीं हैं। (सत्य/असत्य)

5. शिक्षा औपचारिक या अनौपचारिक रूप से हो सकती है। (सत्य/असत्य)

6. शिक्षा का चयन एक प्रक्रिया है। (सत्य/असत्य)

(ख) सामान्य शिक्षा क्या है? स्पष्ट करो।

टिप्पणी

26.5 कार्य जगत

'कार्य जगत' अपना अर्थ स्वयं स्पष्ट कर देता है। इसके अंदर बड़ी संख्या में व्यवसाय और उद्योग आते हैं। जो व्यक्ति शिक्षण में लगा है उसे हम शिक्षक कहते हैं। क्या आप जानते हैं कि शिक्षण व्यवसाय कितना बड़ा है? इसमें विभिन्न स्तर पर शिक्षण करने वाले शिक्षक आते हैं जैसे नर्सरी शिक्षक, प्राइमरी शिक्षक, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टी.जी.टी.), पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पी.जी.टी), लेक्चरर, रीडर्स, प्रोफेसर्स आदि। फिर ऐसे शिक्षक हैं जो स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न विषय पढ़ाते हैं। शारीरिक और मानसिक विकलांगों के लिए भी शिक्षक होते हैं। यह हाल अन्य व्यवसायों का भी है। व्यवसायों की लंबी सूची होने के कारण भारत ने "नेशनल क्लासीफिकेशन ऑफ एक्यूपेशंस (एन.सी.ओ.)" नामक प्रकाशन निकाला है। एन.सी.ओ. ने कार्य जगत को 8 प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया है।

1. व्यावसायिक, तकनीकी और संबंधित कार्यकर्ता
2. पार्षद, वरिष्ठ अधिकारी और प्रबंधक
3. व्यवसायी
4. तक्नीकी विशेषज्ञ और सहायक व्यवसायी
5. क्लर्क और सम्बंधित कार्यकर्ता
6. सेल्स वर्कर्स
7. सेवा कार्य और दुकान एवं बाजार विक्रय कार्यकर्ता
8. कुशल कषि एवं मत्स्य पालन कार्यकर्ता
9. हस्तकौशल एवं संबंधित व्यापार कार्यकर्ता
10. प्लांट एवं मशीन चालक और पुरजे जोड़ने वाला
11. प्राथमिक व्यवसाय

26.6 नौकरी के अवसर

कार्यजगत में जाने पर हमें असंख्य व्यवसाय एवं नौकरियाँ दिखाई पड़ती हैं। कुछ नौकरियाँ चुनौतीपूर्ण और कुछ अति आकर्षक होती हैं। कुछ नौकरियों में आपको अतिरिक्त धन लाभ मिलता है। शिक्षा की भाँति नौकरी को चुनने की भी एक प्रक्रिया होती है। हर नौकरी में आयु, शिक्षा, नागरिकता आदि से संबंधित कुछ अपनी अर्हतायें होती हैं। आइये हम कुछ प्रमुख अर्हताओं के बारे में विस्तार से अध्ययन कर लें:

टिप्पणी

(1) आयु की अर्हतायें: जब आप किसी नौकरी के विज्ञापन में अर्हताओं को देखते हैं तो आप पायेंगे कि उसमें आयु सीमा का उल्लेख है। उदाहरण के लिए, एक क्लर्क ग्रेड की सेवा के लिए आपको 21 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। नौकरी की आयु अर्हता नौकरी की पष्ठभूमि और प्रत्याशा को दिमाग में रखकर विशेषीकत की जाती है। अपने पेशे में उन्नति के अवसर अधिक होते हैं यदि प्रवेश उपयुक्त समय पर होता है। कुछ पेशों में अधिक शारीरिक क्रिया की आवश्यकता भी होती है जो कामगार की आयु से संबंधित है। बढ़ती आयु के साथ शक्ति और ऊर्जा कम होती जाती है इसलिए एक आयु प्राप्त व्यक्ति बहुत से पेशों की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता और अनुपयुक्त हो जाता है।

(2) लैंगिक अर्हतायें: आप देखते हैं कि आजकल कार्य के अधिकांश क्षेत्रों में महिलायें बराबर की भागीदारी ले रही हैं। महिलायें रक्षा सेवा में जाने लगी हैं और पायलेट भी बन गई हैं। बहुत कम पेशे ऐसे रह गये हैं जो केवल पुरुषों के लिए हैं। कुछ पेशों में पेशे की पष्ठभूमि, क्षेत्र और कार्य के स्थान को ध्यान में रखकर लिंग अर्हता निर्धारित की जाती है। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) इसका एक उदाहरण है।

(3) नागरिकता की अर्हतायें: सामान्यतः किसी देश में सरकारी नौकरियाँ उसी देश के नागरिकों को दी जाती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) द्वारा ली जाने वाली प्रशासनिक सेवा परीक्षा में भाग लेना चाहता है तो उसे भारत का नागरिक होना आवश्यक है।

(4) शारीरिक आर्हतायें: सभी पेशों में अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकता होती है। किंतु पुलिस और सेना की सेवाओं में भारी शारीरिक क्रियाओं और शारीरिक क्षमता की आवश्यकता होती है। इन नौकरियों में शारीरिक अर्हता का स्पष्ट उल्लेख होता है। शारीरिक अर्हता (क) वजन (ख) ऊँचाई (ग) छाती (घ) दष्टि आदि के आधार पर निर्धारित होती है।

(5) व्यक्तित्व की आर्हतायें: आपने ऐसे विज्ञापन देखें होंगे "रिसेप्शनिश्ट की नौकरी के लिए आकर्षक व्यक्तित्व वाले चुस्त युवा पुरुषों और महिलाओं की आवश्यकता है।" ऐसे विज्ञापन विशेषकर गैर सरकारी क्षेत्र (एनजीओ) के होते हैं क्योंकि उन्हें ऐसे व्यक्ति चाहिए जो अपनी कंपनी के अभिप्राय को लोगों के सामने स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकें। उन्हें उत्पाद बेचना होता है जिसके लिए वे ऐसे कर्ता भर्ती करते हैं जिनमें मार्केटिंग की सूझ–बूझ होती है। कुछ विज्ञापनों में अर्हता का उल्लेख नहीं दिया जाता है किंतु कामगर से पेशे की आवश्यकता के अनुकूल योग्यता की अपेक्षा होती है। उदाहरण के लिए एक जन संपर्क अधिकारी (पीआरओ) को बर्हिमुखी होना चाहिए, जो लोगों से मिलकर बात करने की क्षमता रखता हो, किंतु विज्ञापन में इस पक्ष का उल्लेख नहीं भी हो सकता है।

यदि कोई व्यक्ति इधर–उधर जाना पसंद नहीं करता और ठीक से अपने को व्यक्त नहीं कर सकता उसे सेल्समैन के बजाय कहीं अन्य स्थान पर रख दिया जाता है। वह अपने

टिप्पणी

को पूरी तरह उन्माद ग्रस्त पाता है जिससे कभी–कभी गंभीर समस्यायें पैदा हो सकती हैं।

पाठगत प्रश्न 26.2

निम्नांकित प्रश्नों का उत्तर एक पंक्ति में दीजिये:

1. व्यवसायों का राष्ट्रीय वर्गीकरण किसने किया है?
2. सेना में भरती के लिए दो अनिवार्य अर्हताओं को सूचीबद्ध कीजिये।
3. आप नागरिकता की अर्हताओं से क्या समझते हैं?

स्वयं करें

निम्नांकित पेशों के लिए आपकी दृष्टि में क्या व्यक्तित्व अर्हतायें होनी चाहिये:

(क) डाक्टर

_____

(ख) नर्स

_____

(ग) सेल्समैन

_____

(घ) शिक्षक

_____

(6) शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण अर्हतायें: क्या आप कंप्यूटर कोर्स किये बिना कंप्यूटर प्रोग्रैमर बन सकते हैं? नहीं, आप नहीं हो सकते। विभिन्न पेशों के लिए अलग–अलग प्रकार की शैक्षिक अर्हतायें होती हैं। अक्सर आप देखते हैं कि वे लोग जो इंजीनियर बनना चाहते हैं; वे विज्ञान के विषयों का अध्ययन करते हैं और वे जो एकाउंट्स के कार्य में जाना चाहते हैं कामर्स का अध्ययन करते हैं। विषयों का चयन करते समय ध्यान में रखना चाहिये कि व्यक्ति किस क्षेत्र में कार्य के लिए जाना चाहता है।

यह बात विभिन्न पेशों में जाने के लिए प्रशिक्षण अर्हताओं के बारे में सही है। प्रशिक्षण इसलिए दिया जाता है कि व्यक्ति अपने सैद्धांतिक अध्ययन का उपयोग कर सके। हर पेशे के लिए अलग–अलग प्रशिक्षण होता है। किसी–किसी संस्थान में सैद्धांतिक कोर्स

टिप्पणी

पूरा करने के बाद नौकरी में प्रशिक्षण दिया जाता है। इसको एप्रेंटिसशिप भी कहा जाता है। लगभग सभी व्यावसायिक कोर्सेज में छात्रों को निर्देशित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे इंटर्नशिप कहा जाता है। बहुत सी कंपनियाँ छात्रों को प्रशिक्षार्थी के रूप में भर्ती करती हैं और उन्हें प्रशिक्षण देने के बाद नियमित नौकरी पर लगा देती है।

स्वयं कीजिये

निम्नांकित पेशों के लिए प्रशिक्षण का पता लगाइये :

(1) डॉक्टर

(2) कंप्यूटर प्रोग्रैमर

(3) पायलट

(4) ड्राइवर

(7) **अनुभव की अर्हतायें:** सामान्यतः कहा जाता है "अनुभव काम करता है।" कुछ नौकरियों में अनुभव की आवश्यकता होती है, क्योंकि अनुभवी व्यक्ति अच्छा काम कर सकता है और वह इस स्थिति में होता है कि दूसरों के काम की देखभाल कर सके और उन्हें निर्देशित कर सके। आमतौर से अनुभव अर्हता की आवश्यकता वरिष्ठ पदों के लिए होती है। संस्थान के लाभ के लिए किसी व्यक्ति की क्षमताओं और निपुणताओं का उपयोग किया जाना चाहिए। फिर भी नहीं नौकरियों में नये पात्र ही लिये जाते हैं।

(8) **कानूनी अर्हतायें:** इसका आशय है कि जिस व्यक्ति को किसी प्रतिष्ठित पद के लिये चुना जाय, वह स्वच्छ चरित्रवाला हो और किसी जुर्म के लिए सजायाफ्ता न हो।

(9) **अनुमति प्रदान करना (लाइसेंसिंग):** यदि आपके पास कोई वाहन है तो उसे चलाने के लिए आपके पास अनुज्ञापन होना चाहिए। क्या आपने कभी सोचा है कि लाइसेंस का क्या उपयोग है।

उस स्थिति का विचार कीजिये कि एक व्यक्ति वाहन चलाना नहीं जानता, किंतु मोटर साइकिल चलाता है। निश्चित रूप से वह व्यक्ति दुर्घटना करेगा, स्वयं चोट खायेगा, दूसरों को चोट पहुँचायेगा और वाहन तोड़ेगा। इसलिए आप समझ सकते हैं कि लाइसेंस किसलिए उपयोगी है। नौकरी में लाइसेंसिंग का मतलब कानूनी अधिकार से है। कुछ नौकरियाँ जिनका संबंध सीधे मानव जीवन से होता है, उसमें लाइसेंस की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए एक फार्मेसिस्ट को लाइसेंस की आवश्यकता होती है क्योंकि वह दवाइयों का कार्य करता है। कुछ पेशों में व्यक्ति को अपना पंजीकरण संबंधित काउंसिल से कराना पड़ता है जैसे एक डॉक्टर मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) में पंजीकत होता है।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 26.3

1. ऐपरेंटिसशिप का क्या तात्पर्य है?
2. लाइसेंसिंग क्यों अनिवार्य है?

आपने क्या सीखा

- शिक्षा और कार्य परस्पर संबंधित हैं क्योंकि विशिष्ट कार्य के लिए विशेष प्रकार के कौशलों की आवश्यकता होती है और शिक्षा उन कौशलों को विकसित करने में सहायता करती है।
- शिक्षा के किसी क्षेत्र का चयन करना एक प्रक्रिया है। शैक्षिक चयन आपकी रुचि के कार्य पर निर्भर करता है।
- प्रक्रिया सामान्य शिक्षा (जो डिग्री स्तर तक होती है) से प्रारंभ होकर विशेष प्रशिक्षण तक जाती है।
- विशेष प्रशिक्षण व्यावसायिक संस्थाओं पॉलीटेक्नीक, कामर्शियल संस्थानों आदि से ली जा सकती है।
- कार्य जगत बहुसंख्यक व्यवसायों और उद्योगों से बनता है। व्यवसायों के राष्ट्रीय वर्गीकरण ने कार्यजगत को प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया है।
- किसी नौकरी की तलाश में व्यक्ति को आयु, लिंग, नागरिकता, शारीरिक आर्हतायें और व्यक्तित्व आर्हताओं को पूरा करना पड़ता है। शिक्षा और प्रशिक्षण, अनुभव, वैधानिक और लाइसेंसिंग कुछ अन्य अर्हतायें हैं।

पाठांत प्रश्न

1. शैक्षिक चयन प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।
2. निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

   (क) कार्य जगत
   (ख) ऑन लाइन कोर्सेज
   (ग) शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हतायें
   (घ) व्यक्तित्व अर्हतायें
   (ड.) लाइसेंसिंग

टिप्पणी

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

26.1

(क) 1. असत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य, 6. सत्य

(ख) ये पढ़ने, लिखने, पर्यावरण के ज्ञान, वांछित अभिवत्तियों, मूल्यों और अभिप्रेरण के बारे में प्राथमिक कौशल प्रदान करते हैं।

26.2

1. भारत सरकार 2. शारीरिक, शैक्षिक

3. अभ्यर्थी को देश का नागरिक होना चाहिए।

26.3

1. एक व्यवसाय में ये नौकरी करते प्रशिक्षण हैं

2. लाइसेंसिंग किसी कार्य को संपन्न करने का वैधानिक अधिकार प्रदान करती है।